भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
17.12.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2882 का उत्तर

वार्षिक भर्ती कैलेंडर

2882. श्री दुष्यंत सिंह:
श्री सचिदानन्दम आर.:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) रेलवे में वर्तमान में रिक्त पदों की स्थिति का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है और लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, स्टेशन मास्टर, प्वाइंट्समैन, ट्रैक मेंटेनर, गैंगमैन, सिग्नल मेंटेनर और अन्य यांत्रिक कार्मिकों जैसी सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण श्रेणियों में स्वीकृत पदों, कार्यरत कर्मचारियों और रिक्त पदों की संख्या कितनी है;

(ख) इन रिक्त पदों को भरने की समय-सीमा का ब्यौरा क्या है;

(ग) वार्षिक भर्ती कैलेंडर को लागू करने से भर्ती प्रक्रिया में विलंब और अनिश्चितताओं को किस प्रकार दूर किए जाने की संभावना है;

(घ) रेलवे भर्ती में विशेषकर तुलनात्मक रूप से कम चयन दर वाले राज्यों का उचित क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने हेतु क्या उपाय किए जा रहे हैं; और

(ङ) क्या सरकार का नए भर्ती किए गए कार्मिकों की तैनाती से पहले उनकी तकनीकी और प्रचालनात्मक दक्षताओं में वृद्धि करने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): भारतीय रेल के आकार, स्थानिक वितरण और परिचालन महत्व को ध्यान में रखते हुए पदों का रिक्त होना और उन्हें भरा जाना एक सतत् प्रक्रिया है। नियमित परिचालन, प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों, यंत्रीकरण और नवोन्मेषी पद्धतियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त और

उपयुक्त जनशक्ति मुहैया कराई जाती है। इन रिक्तियों को मुख्यतः परिचालनिक और प्रौद्योगिकीय संबंधी आवश्यकताओं के अनुसार रेलवे द्वारा भर्ती एजेन्सियों को मांग पत्र भेजकर भरा जाता है।

चूंकि रेलवे केंद्रीय सरकार का एक संगठन है, अतः यह अखिल भारतीय आधार पर भर्ती आयोजित करती है। यह लोक नियोजन के मामलों में समानता के अधिकार के संवैधानिक उपबंधों के अनुरूप है। प्रत्येक अभ्यर्थी, चाहे उसका लिंग, भाषा, जन्म स्थान, क्षेत्र आदि कुछ भी हो, यदि वह पात्रता के मानदंड को पूरा करता है, तो आवेदन करने के लिए स्वतंत्र है। वे सभी अभ्यर्थी, जिनमें स्थानीय अभ्यर्थी भी शामिल हैं, जो केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचनाओं के अंतर्गत आवेदन करते हैं, उन्हें रेलवे में भर्ती के लिए समान अवसर दिया जाता है। किसी भी राज्य या क्षेत्र के अभ्यर्थियों को कोई प्राथमिकता नहीं दी जाती और न ही भर्ती किसी विशेष राज्य या क्षेत्र तक सीमित होती है।

वार्षिक कैलेंडर 2024 और 2025 के अनुसार क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों सहित भारतीय रेल में 1,20,579 रिक्तियों पर भर्तियां शुरू की गई।

सहायक लोको पायलटों (एएलपी), तकनीशियन ग्रेड-1 सिगनल सहित तकनीशियनों, रेलवे सुरक्षा बल (रे.सु.ब.) में उप-निरीक्षक और कांस्टेबल, जूनियर इंजीनियर (जेई)/डिपो सामग्री अधीक्षक (डीएमएस)/रसायन एवं धातुकर्म सहायक (सीएमए), पैरामेडिकल कोटियों, गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक-स्टेशन मास्टर सहित), गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (पूर्व-स्नातक), अनुसचिवीय एवं पृथक कोटियों और लेवल-1 कोटियों जैसे सहायक, ट्रैक मेंटेनर और पॉइंट्समैन के पदों को भरने के लिए जनवरी से दिसम्बर 2024 के दौरान 92,116 रिक्तियों के लिए दस केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचनाएं (सीईएन) अधिसूचित की गई हैं।

59,678 पदों के लिए प्रथम/एकल चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) पूरी की जा चुकी है। ब्यौरा निम्नानुसार हैः-

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
सहायक लोको पायलट के पद (18,799 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	18,40,347	156	15
तकनीशियन ग्रेड-1 तकनीशियन के पद (14,298 रिक्तियां तकनीशियन ग्रेड-1 सिगनल सहित) हेतु सीबीटी	26,99,892	139	15
जेई/डीएमएस/सीएमए के पद (7,951 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	11,01,266	146	15
रे.सु.ब. एस.आई के पद (452 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	15,35,635	143	15
रे.सु.ब. -कांस्टेबल के पद (4208 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	45,30,288	147	15
पैरामेडिकल कोटियों (1376 रिक्तियां) हेतु सीबीटी	7,08,321	143	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (स्नातक-स्टेशन मास्टर सहित) (8113 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	58,41,774	141	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (पूर्व-स्नातक) (3445 रिक्तियां) हेतु प्रथम चरण सीबीटी	63,27,473	157	15
अनुसचिवीय एवं पृथक कोटियों हेतु सीबीटी (1,036 रिक्तियां)	4,46,013	139	15
कुल अभ्यर्थी	2,50,31,009		

सहायक लोको पायलट, जेई/डीएमएस/सीएमए और गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियों (स्नातक) के पदों के लिए द्‌वितीय चरण की कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) भी पूरी की गई है। इनका ब्यौरा इस प्रकार है:-

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
सहायक लोको पायलट के पद (18,799 रिक्तियां) हेतु द्‌वितीय चरण सीबीटी	2,66,363	112	15

जेई/डीएमएस/सीएमए के पद (7,951 रिक्तियां) हेतु द्वितीय चरण सीबीटी	1,17,339	118	15
गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (स्नातक) (8113 रिक्तियां) हेतु द्वितीय चरण सीबीटी	1,21,931	129	15
कुल अभ्यर्थी	5,05,633		

सहायक लोको पायलट (एएलपी) के पद के लिए कंप्यूटर आधारित अभिक्षमता परीक्षा (सीबीएटी) भी पूरी कर ली गई है। इसका ब्यौरा निम्नानुसार है:-

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	भाषाएं
सहायक लोको पायलट के पद (18,799 रिक्तियां) हेतु सीबीएटी	1,32,044	84	2

लेवल-I कोटियों के 32,438 रिक्तियों हेतु प्रथम चरण सीबीटी दिनांक 27.11.2025 से 15 भाषाओं में 140 शहरों में शुरू की गई है। कांस्टेबल (रे.सु.ब.) के 4,208 पदों के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) दिनांक 06.12.2025 को पूरी कर ली गई है।

23,000 से अधिक उम्मीदवारों के लिए पैनल, जिसमें तकनीशियन, जूनियर इंजीनियर, पैरा मेडिकल कोटियों, उप-निरीक्षक (आरपीएफ) और सहायक लोको पायलट के पद शामिल हैं, को अंतिम रूप दिया गया है। इनमें से अधिकांश संरक्षा कोटियों की हैं।

इसके अतिरिक्त, वर्ष 2025 के वार्षिक कैलेंडर के अनुसार, 28,463 रिक्तियों के लिए सात केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचनाएँ भी जारी की गई हैं। जिनका ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	केंद्रीकृत रोजगार अधिसूचना संख्या	पद का नाम	अधिसूचित की गई रिक्तियों की संख्या	अधिसूचना जारी करने का माह

1	01/2025	सहायक लोको पायलट	9,970	मार्च 2025
2	02/2025	तकनीशियन (तकनीशियन ग्रेड-1 सिगनल सहित)	6,238	जून 2025
3	03/2025	पैरा मेडिकल कोटि	434	जुलाई 2025
4	04/2025	सेक्शन कंट्रोलर	368	अगस्त 2025
5	05/2025	जूनियर इंजीनियर/डिपो सामग्री अधीक्षक	2,585	अक्टूबर 2025
6	06/2025	गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (स्नातक-स्टेशन मास्टर सहित)	5,810	अक्टूबर 2025
7	07/2025	गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (पूर्व-स्नातक)	3,058	अक्टूबर 2025

रेलवे भर्ती बोर्ड की परीक्षाएं काफी तकनीकी प्रकृति की होती हैं, जिनमें बड़े पैमाने पर कर्मियों और संसाधनों को जुटाने तथा जनशक्ति के प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। रेलवे ने इन सभी चुनौतियों का सामना किया और सभी निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करते हुए पारदर्शी तरीके से भर्ती का सफलतापूर्वक संचालन किया। पूरी प्रक्रिया के दौरान पेपर लीक होने या इसी तरह के कदाचार की कोई घटना सामने नहीं आई है।

वर्ष 2004-2005 से 2013-14 की तुलना में 2014-2015 से 2024-2025 के दौरान भारतीय रेल में की गई भर्तियों का विवरण निम्नानुसार दिया गया है:-

अवधि	भर्तियां
2004-2005 से 2013-2014 तक	4.11 लाख
2014-2015 से 2024-2025 तक	5.08 लाख

इसके अलावा, प्रणालीगत सुधार के तौर पर, रेल मंत्रालय ने समूह 'ग' पदों की विभिन्न कोटियों में भर्ती के लिए वर्ष 2024 से वार्षिक कैलेंडर प्रकाशित करने की एक प्रणाली शुरू की है। वार्षिक कैलेंडर शुरू होने से अभ्यर्थी निम्नानुसार लाभान्वित हो रहे हैं:

- अभ्यर्थियों के लिए अधिक अवसर;
- प्रतिवर्ष योग्यता प्राप्त करने वालों को अवसर;
- परीक्षाओं की निश्चितता;
- भर्ती प्रक्रिया, प्रशिक्षण और नियुक्तियों में तेज़ी।

चूंकि सुरक्षित गाड़ी परिचालन भारतीय रेल की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए कर्मचारियों के प्रशिक्षण पर विशेष बल दिया जाता है। कवच प्रणाली पर संबंधित कोटियों हेतु पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों और विशेषीकृत प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों सहित प्रारंभिक और पदोन्नति के चरणों में निर्धारित आवधिकता के अनुसार विस्तृत प्रशिक्षण मॉड्यूल उपलब्ध हैं, जिनमें व्यावहारिक पहलुओं पर जोर दिया जाता है, जो उन्हें कौशल उन्नयन और संबंधित उन्नत प्रौद्योगिकी के साथ सामंजस्य स्थापित करने में मदद करते हैं, जबकि समग्र संरक्षा और यात्री अनुभव पर ध्यान केंद्रित रखा जाता है। इन मॉड्यूलों का कार्यप्रणाली में प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए भी उन्नयन किया जाता है।

विभिन्न स्थानों पर स्थित भारतीय रेल के प्रशिक्षण केंद्र विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण अर्थात प्रारंभिक, पदोन्नति, पुनश्चर्या और विशेषीकृत प्रशिक्षण प्रदान करते हैं:

प्रारंभिक प्रशिक्षण: नए कर्मचारियों को रेल परिचालन और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराने के प्रयोजन से प्रदान किया जाता है।

पदोन्नति प्रशिक्षण: सेवारत कर्मचारियों को उच्चतर दायित्व के पदों के लिए अग्रिम रूप से तैयार करवाने के प्रयोजन से प्रदान किया जाता है।

पुनश्चर्या प्रशिक्षण: सेवारत कर्मचारियों को उनके कार्यों में कुशलता बढ़ाने के लिए आवधिक रूप से नए विचारों और सिद्धांतों के साथ सक्षम बनाने के प्रयोजन से दिया जाता है।

विशेषीकृत प्रशिक्षण: प्रौद्योगिकीय विकास, संख्यात्मक तकनीकों आदि अर्थात् यात्री आरक्षण प्रणाली, नए इंजनों, सिगनल प्रणाली, रेलपथ प्रौद्योगिकी आदि से संबंधित ज्ञान को अद्यतन करने के प्रयोजन से प्रदान किया जाता है।

इन प्रशिक्षणों के अलावा, प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा कुछ अन्य/विशेष पाठ्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं, जैसे कि फ्रंटलाइन स्टाफ के लिए सॉफ्ट स्किल्स का प्रशिक्षण, ग्राहक सेवा प्रशिक्षण, आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण, सभी पर्यवेक्षकों के लिए दुर्घटना जांच कार्यक्रम, जे.ई./एसएसई (रेलपथ) के लिए रेलगाड़ी के पटरी से उतरने की जांच, चालकों के लिए रेलगाड़ी विलगन कार्यक्रम, खतरे की अवधारणा और आपातकालीन प्रतिक्रिया, अग्निशमन और प्राथमिक चिकित्सा कौशल, लैगिंक संवेदीकरण, योग और ध्यान तथा अन्य प्रशिक्षण आदि।

****